peaceful discussion on the Motion of thanks on the President's Address today and try to complete the discussion today and take up the Budget and also the Bills on which there is a broad consensus. I hope the entire House will agree with me and try to cooperate because the time is very short. ...*(Interruptions)*... Shrimati Kahkashan Perween. ...*(Interruptions)*...

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Newed to confer Bharat Ratna on Jan Nayak Karpoori Thakur

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): सभापति महोदय, मैं आज इस विशेष उल्लेख के माध्यम से आपसे एवं इस सदन से यह आग्रह करती हूं कि जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को "भारत रत्न" का सम्मान मिले।

जननायक कर्पूरी ठाकुर सन् 1942 के "भारत छोड़ों आन्दोलन" के प्रमुख सेनानी थे। स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने कठिन जेल-यातनाएँ सहीं। वे आज़ादी के बाद विधान सभा के प्रथम चुनाव से लेकर जीवनपर्यंत विधायक रहे। वे सन् 1967 में गैर-कांग्रेसवाद के ध्वजवाहक थे और उन्होंने डा. राम मनोहर लोहिया के नेतृत्व में संघर्ष किया तथा बिहार के प्रथम गैर-कांग्रेसी सरकार में वे उप-मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने दो बार बिहार के मुख्य मंत्री के रूप में राज्य की सेवा की और वे एक बार लोक सभा के सदस्य भी रहे।

स्वर्गीय ठाकुर जी अत्यंत पिछड़े समाज के एक गरीब परिवार में पैदा हुए थे। अपनी प्रतिभा और क्षमता के बल पर उन्होंने राजनीति में अपना स्थान बनाया था। सत्ता उनके लिए जनसेवा का माध्यम रही और सादगी उनका स्वभाव बन गई थी। सादगी, स्वाभिमान, सेवा-भाव और शील उनके निर्मल व्यक्तित्व के आभूषण थे। एक सपर्पित विधायक के रूप में, उप-मुख्य मंत्री के रूप में, बिहार के मुख्य मंत्री के रूप में और प्रतिपक्ष के नेता के रूप में उन्होंने आचरण एवं व्यवहार का जो उच्च मानदंड कायम किया, वह संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक अद्वितीय प्रतिमान बना है। उनके संसदीय जीवन में आने वाली पीढ़ियाँ प्रेरित और प्रभावित होती रहेंगी।

अत: मैं सरकार से यह माँग करता हूं कि उनके राजनीतिक और सामाजिक अवदानों को देखते हुए उनको "भारत रत्न" से सम्मानित किया जाए।

† **محترمہ کہکشاں پروین (بہار)** : سبھا پتی مہودے، میں آج اس وشیش آلیکھ کے مادھیم سے آپ سے اور اس سدن سے یہ آگریہہ کرتی ہوں کہ جن-نایک کرپوری ٹھاکر جی کو "بھارت رتن" کا سمّان ملے۔

جن-نایک کرپوری ٹھاکر سن 1942 کے "بھارت چھوڑو آندولن" کے خاص سینانی تھے۔ سوتنترتہ سنگرام میں انہوں نے کٹھن جیل یاتنائیں سہیں۔ وہ آزادی کے بعد ودھان سبھا کے پہلے چناؤ سے لیکر مرتے دم تک ودھایک رہے۔ وہ سن 1967 میں غیر کانگریس-واد کے دھوج-واہک تھے اور انہوں نے ڈاکٹر رام منوہر لوہیا کی قیادت میں

†Transliteration in Urdu script.

سنگھرش کیا اور بہار کے پہلے غیر کانگریسی سرکار میں اپ-مکھیہ منتری رہے۔ انہوں نے دو بار بہار کے مکھیہ منتری کے روپ میں راجیہ کی سیوا کی اور وہ ایک بار لوک سبھا کے سدسنے بھی رہے۔

سورگنے ٹھاکر جی بہت ہی پچھڑے سماج کے ایک غریب پریوار میں پیدا ہونے تھے۔ اپنی پرتبھا اور شمتا کے بل پر انہوں نے راجنیتی میں اپنا استھان بنایا تھا۔ سدّہ ان کے لئے جن سیوا کا مادھیم رہی اور سادگی ان کا سوبھاؤ بن گئی تھی۔ سادگی، سوابھیمان، سیوا بھاؤ اور شیل ان کے نرمل ویکتتو کے آبھوشن تھے۔ ایک سمرپت ودھایک کے روپ میں، اپ مکھیہ منتری کے روپ میں، بہار کے مکھیہ منتری کے روپ میں اور پرتی-پکش کے نیتا کے روپ میں انہوں نے آچرن اور ویوہار کا جو اچ ماپدنڈ قائم کیا، وہ سنسدنے لوک-تانترک ویوستھا میں ایک ادوتنے پرتیمان بنا ہے۔ ان کے سنسدنے جیون سے، آنے والی پیڑھیاں پریرت اور پربھاوت ہوتی رہیں گی۔

آخر میں، میں سرکار سے یہ مانگ کرتی ہوں کہ ان کے راجنیتک اور سماجک اودانوں کو دیکھتے ہوئے ان کو "بھارت رتن" سے سمّانت کیا جائے۔

(ختم شد)

श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह (बिहार): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

डा. सी.पी. ठाकुर (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री महेश पोद्दार (झारखंड): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री राकेश सिन्हा (नाम निर्देशित): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

चौधरी सुखराम सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

डा. चन्द्रपाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

प्रो. मनोज कुमार झा (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री राम कुमार कश्यप (हरियाणा): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री शमशेर सिंह मन्हास (जम्मू-कश्मीर): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्री अहमद अशफाक करीम (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

† **جناب احمد اشفاق کریم (بہار) :** مہودے، میں بھی خود کو اس وشئے سے سمبدّھ کرتا ہوں۔

श्री सभापति: रवि शंकर प्रसाद जी, आप कुछ कहना चाहते हैं?

THE MINISTER OF LAW AND JUSTICE; AND THE MINISTER OF ELECTRONICS AND INFORMATION TECHNOLOGY (SHRI RAVI SHANKAR PRASAD): Sir, I wish to make one suggestion. Notices have been admitted, but debate on the Motion could be started now itself. If the House agrees, we could start right now. ...*(Interruptions)*...

SHRI DEREK O'BRIEN (West Bengal): No, no. ...*(Interruptions)*... Sir, we have important issues. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: जिन्होंने हाथ उठाया है, उनके नाम रिकॉर्ड में आने चाहिए। कृपया सदस्यगण भी अपने नाम लिखकर भेज दें, क्योंकि ये लोग पीछे सबको देख पाएँगे या नहीं, मुझे मालूम नहीं है। श्री सुखेन्दु शेखर राय।

Lawyers' strike all over India

SHRI SUKHENDU SEKHAR RAY (West Bengal): Sir, 1.5 million lawyers of the country are on strike today. They have been raising demands since long, but their grievances have not been redressed by the Government so far. Their demands include a budgetary allocation for lawyers' welfare, insurance coverage for lawyers and their dependents, stipend for new entrants at the Bar, housing scheme for lawyers and appointment of Advocates as Presiding Officers and members of Tribunals and other authorities. They have been making these demands for a long time, but, unfortunately, the Government has not paid any heed to their grievances.

Sir, through you, I would like to request the Law Minister, as he is present here, that some message should go to the agitating legal community who are on strike today all over the country and their grievances must be adequately addressed by the Government.

SHRI C. M. RAMESH (Andhra Pradesh): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI T. K. RANGARAJAN (Tamil Nadu): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

---

†Transliteration in Urdu script.